13. अविकारी शब्द (अव्यय)

वे शब्द जो सदा एक जैसे ही रहते हैं। जिन पर लिंग, वचन, कारक के कारण कोई प्रभाव नहीं पड़ता, अविकारी या अव्यय कहलाते हैं।

शिक्षण-संकेत

- छात्र अविकारी शब्द पिछली कक्षाओं से पढ़ते आ रहे हैं। उनकी पुनरावृत्ति करवाते हुए अव्यय शब्दों के बारे में जानें।
- छात्रों से जानें कि वे अविकारी शब्दों से क्या समझते हैं।
- अविकारी शब्दों के भेद बताएँ।
- पाठ पृष्ठ 85 पर दिए क्रियाविशेषण अव्यय वाक्यों के उदाहरणों को छात्रों से पढ़वाएँ तथा उनमें आए क्रियाविशेषण शब्दों से अवगत कराएँ।
- विशेषण तथा क्रियाविशेषण में अंतर समझाएँ।
- बताएँ, जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं।
- बताएँ, क्रिया कब, कहाँ, कैसे या कितनी हुई या हो रही है, यह क्रियाविशेषण से पता चलता है। इसी आधार पर इसके चार भेद किए जाते हैं। क्रियाविशेषण के चारों प्रकार – कालवाचक, स्थानवाचक, रीतिवाचक, परिमाणवाचक क्रियाविशेषण को स्पष्ट रूप से समझाएँ। पृष्ठ 86-87 पर दिए भेदों को पढ़वाएँ तथा समझाएँ।
- संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक अव्ययों के बारे में समझाते हुए पृष्ठ 88-94 पर दिए वाक्य पढ़ें तथा एक-एक करके सभी भेदों को समझाएँ। इन भेदों के उपभेदों पर भी विस्तार से चर्चा करें।
- पृष्ठ 95 से निपात के बारे में भी समझाएँ।
- बीच-बीच में भेदों के वाक्यों के उदाहरणों द्वारा सुनिश्चित करें कि छात्रों को आसानी से समझ आ रहा है।
- पाठ के मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।